रिपोर्ट

विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

10 मई 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

NAAC A+
Accredited University

Invitation

Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

(A Central University)

Inauguration of Learning Resource Centre for Divyangjan

10th May 2024 at 10.00 AM

In the gracious presence of

Prof. Neelima Gupta
Hon'ble Vice Chancellor
Doctor Harisingh Gour Viswavidyalaya, Sagar, (M.P.)

Special Guests

Prof. Neera Kapoor
IGNOU,
New Delhi

Prof. Harishankar Singh
BBAU,
Lucknow (UP)

Prof. Indu Goyal
University of Allahabad,
Prayagraj

RSVP

Dr. Mohan T.A.
Librarian

Prof. Anil Kumar Jain
Chairperson,
SEDG's Cell

Dr. S. P. Upadhyaya
Registrar (I/c)

Organising Team:

- Dr. Anurag Shrivastava
- Dr. Rajnish
- Dr. Naveen Singh

Venue
Rangnathan Bhawan,
New Library building
DHSGSU Sagar (M.P)

Organized By: JLN Central Library & SEDG's Cell, DHSGSU, Sagar

अद्भुत प्रतिभा एवं विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत

अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के प्रो. हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ, प्रो. नीरा कपूर, इग्नू, नई दिल्ली एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की गरिमामयी उपस्थित में सम्पन्न हुआ.कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम-संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है अपितु यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो

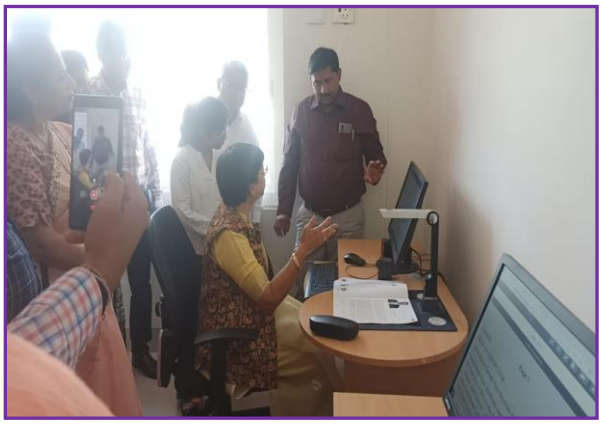

सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है. मैं मानती हूँ कि ये दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादृत है. जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम कार्य करने की क्षमता एवं हौसला होता है. डॉ. हरीसिंह गौर ने सबसे पहले इसी सागर की धरती पर समाज के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अपवंचित वर्ग को विश्व की श्रेष्ठतम शिक्षा देने के उद्देश्य से इस विश्वविद्यालय की नींव रखी. हम सब सौभाग्शाली हैं कि उनके इस स्वप्न को पूरा करने की दिशा में निरंतर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं, हमें

उम्मीद है कि यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सामाजिक पुनर्वास हेतु एक आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा इस हेतु विश्वविद्यालय सभी प्रकार के निर्णयों एवं संसाधनों को पूर्ति हेतु प्रतिबद्ध है.

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए एस.ई.डी.जी. प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया

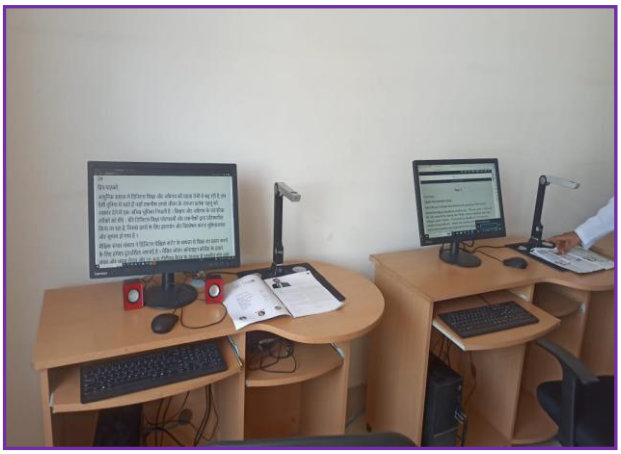

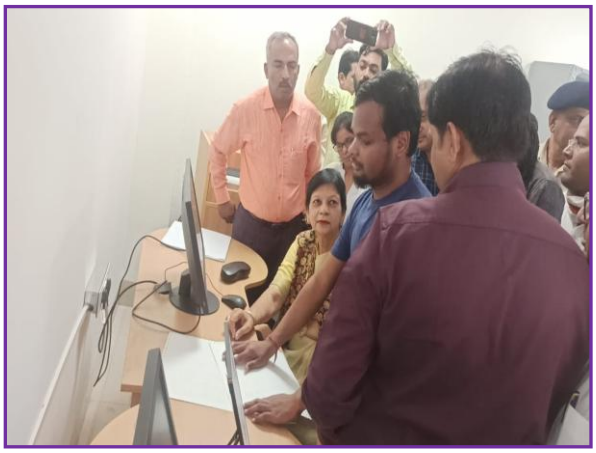

कि यू.जी.सी., नई दिल्ली के सुझावों के अनुरूप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सबसे पहले एस.ई.डी.जी. प्रकोष्ठ का गठन किया. यह प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों अपितु अपवंचित वर्ग के सभी जैसे- अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर इन सभी के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा.

दिव्यांगजनों हेतु विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं भविष्य की कार्य योजना पर प्रस्तुति देते

हुए डॉ. नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है. भविष्य में दिव्यांगता के क्षेत्र की आधुनिकतम सुविधा एवं संसाधन इस केंद्र पर उपलब्ध करवाने हेतु प्रयासरत है साथ दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला से संबधित उत्पादों के विक्रय हेतु दिव्य कला मेला, सभी दिव्यांग

विद्यार्थियों को यूडीआईडी कार्ड की उपलब्धता कैम्प के माध्यम से उपलब्ध करवाने का कार्य किया जायेगा.

कार्यक्रम में औपचारिक धन्यवाद पुस्कालयाध्यक्ष टी.ए. मोहन एवं संचालन डॉ. रजनीश अग्रहरि ने किया इस अवसर पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.डी. शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस.पी. उपाध्याय, वित्त अधिकारी श्री कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेद्र यादव, प्रो. कलि नाथ झा डॉ. हिमांशु कुमार डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरुण कुमार साव, डॉ.महेंद्र, डॉ. रानी दूबे, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. सावन, डॉ. पुष्पिता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

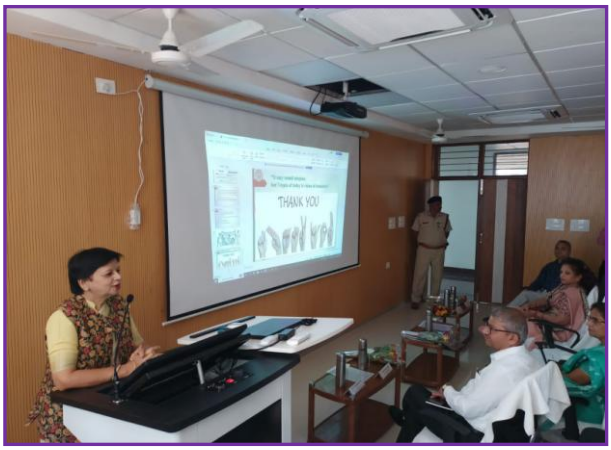

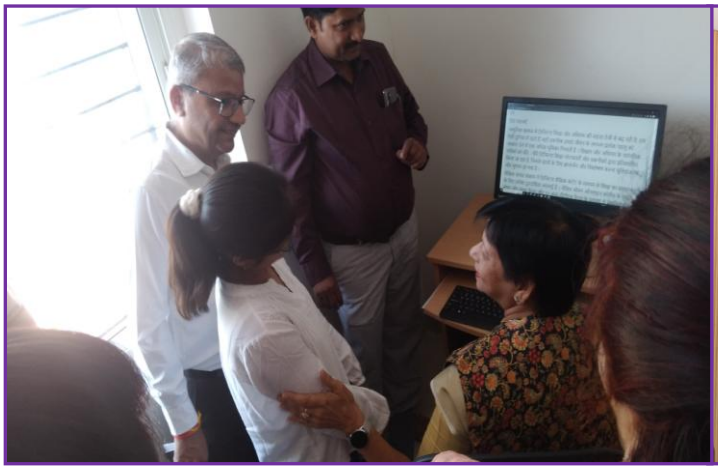

दिव्यांगता
की श्रेणियां

----------//----------

समाचार-पत्रों में विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम संसाधन केंद्र का उद्घाटन

अद्भुत प्रतिभा व विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग: कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के प्रो. हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर लखनऊ, प्रो. नीरा कपूर इग्न नई दिल्ली एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज की उपस्थित में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फसमाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है अपितु यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है। मैं मानती हूं कि ये दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादृत है। जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम कार्य करने की क्षमता एवं हौसला होता है। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए एसईडीजी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया कि यूजीसी नई दिल्ली के सुझावों के अनुरूप डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सबसे पहले एसईडीजी प्रकोष्ठ का गठन किया। यह प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों अपितु अपवंचित वर्ग के सभी जैसे अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर इन सभी के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा। कार्यक्रम में औपचारिक धन्यवाद पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन एवं संचालन डॉ. रजनीश अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेंद्र यादव, प्रो. कलि नाथ झा, डॉ. हिमांशु कुमार, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरुण कुमार साव, डॉ. महेंद्र, डॉ. रानी दूबे, डॉ. रश्मि जैन, डॉ. सावन, डॉ. पुष्पिता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अद्भुत प्रतिभा एवं विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग: कुलपति

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का किया उद्घाटन

● सागर / राज न्यूज नेटवर्क

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के प्रो. हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर लखनऊ, प्रो. नीरा कपूर, इग्नू, नई दिल्ली एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज की उपस्थित में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फसमाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम.संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है अपितु यह ऐसे विश्वासए उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है। मैं मानती हूं कि ये दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादृत हैं जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम कार्य करने की क्षमता एवं हौसला होता है। डॉहरीसिंह गौर ने सबसे पहले इसी सागर की धरती पर समाज के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अपवंचित वर्ग को विश्व की श्रेष्ठतम शिक्षा देने के उद्देश्य से इस विश्वविद्यालय की नींव रखी हम सब सौभाग्शाली हैं कि उनके इस स्वप्न को पूरा करने की दिशा में निरंतर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं हमें उम्मीद है कि यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सामाजिक पुनर्वास हेतु एक आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा इस के लिए विश्वविद्यालय सभी प्रकार के निर्णयों एवं संसाधनों को पूर्ति हेतु प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए एसईडीजी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो अनिल कुमार जैन ने बताया कि यूजीसी नई दिल्ली के सुझावों के अनुरूप डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय ने सबसे पहले एसईडीजी प्रकोष्ठ का गठन किया। यह प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों अपितु अपवंचित वर्ग के सभी जैसे अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर इन सभी के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा।

दिव्यांगजनों के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं भविष्य की कार्य योजना पर प्रस्तुति देते हुए डॉ नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है। भविष्य में दिव्यांगता के क्षेत्र की आधुनिकतम सुविधा एवं संसाधन इस केंद्र पर उपलब्ध करवाने हेतु प्रयासरत है साथ दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला से संबधित उत्पादों के विक्रय के लिए दिव्य कला मेला, सभी दिव्यांग विद्यार्थियों को यूडीआईडी कार्ड की उपलब्धता कैम्प के माध्यम से उपलब्ध करवाने का कार्य किया जायेगा। कार्यक्रम में औपचारिक धन्यवाद पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन एवं संचालन डॉ रजनीश अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

केंद्र का शुभारंभ | दिव्यांगजनों के अधिगम संस्थान कैंद्र बनाया गया विश्वविद्यालय में

आधुनिक विश्व स्तरीय केंद्र के रुप में पहचान बनायेगा केंद्र : प्रो . गुप्ता

नवभारत न्यूज

सागर 10 मई. डॉ. हरीसिंह गौर विवि केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांग जनों के लिए विशिष्टि कृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में किया गया.

अध्यक्षता कर रही विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम-संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है अपितु यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाज़िक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है. यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सामाजिक पुनर्वास हेतु एक आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा इस हेतु विश्वविद्यालय सभी प्रकार के निर्णयों एवं संसाधनों को पूर्ति हेतु प्रतिबद्ध है.

कार्यक्रम में स्वागत भाषण एसईडीजी प्रकोष्ठ अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने दिया. डॉ. नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है. कार्यक्रम में पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन एवं संचालन डॉ. रजनीश अग्रहरि ने किया. इस अवसर पर प्रो. एडी शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेद्र यादव, प्रो. कलि नाथ झा डॉ. हिमांशु कुमार डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, डॉ. अरुण साव, डॉ. रानी दुबे, डॉ. रश्मि जैन मौजूद रहीं.

अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

अद्भुत प्रतिभा व क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग : कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी में शुक्रवार को दिव्यांगजन के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा मैं मानती हूं कि दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादत है। जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम काम करने की क्षमता व हौसला होता है। हमें उम्मीद है कि यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक और सामाजिक पुनर्वास के लिए एक आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में अपनी पहचान बनाएगा।

डॉ. नवीन जैन ने दिव्यांगजन के लिए विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं और भविष्य की कार्य योजना के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुंगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाइस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है। भविष्य में दिव्यांगता के क्षेत्र की आधुनिकतम सुविधा व संसाधन इस केंद्र पर उपलब्ध कराने के प्रयास रहेंगे। इसके अलावा दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला से संबधित उत्पादों के विक्रय के लिए दिव्य कला मेला, सभी दिव्यांग विद्यार्थियों को यूडीआइडी कार्ड की उपलब्धता कैम्प के माध्यम से उपलब्ध कराने का काम किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो उपस्थित रहे।

अधिगम केंद्र में दिव्यांगों के लिए रीडिंग स्पेस, ब्रेल बुक सेक्शन भी

भास्कर संवाददाता | सागर

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र की शुरुआत शुक्रवार को जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय

पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में रंगनाथन भवन में कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की। केंद्र में दिव्यांगजनों के लिए कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए 10 लाख पुस्तकें तथा हाईस्पीड इंटरनेट उपलब्ध है। केंद्र का शुभारंभ करते हुए कुलगुरु ने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर ने सबसे पहले इसी सागर की धरती पर समाज के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से अपवंचित वर्ग को विश्व की श्रेष्ठतम शिक्षा देने के

उद्देश्य से इस विश्वविद्यालय की नींव रखी। हम सब सौभाग्शाली हैं कि उनके इस स्वप्न को पूरा करने की दिशा में निरंतर सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह केंद्र भविष्य में दिव्यांग विद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सामाजिक पुनर्वास के लिए आधुनिक विश्वस्तरीय केंद्र के रूप में पहचान बनाएगा। कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य देते हुए एसईडीजी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया कि विश्वविद्यालय ने सबसे पहले एसईडीजी प्रकोष्ठ का गठन किया है। प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों बल्कि अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान देगा। डॉ. नवीन सिंह ने बताया कि भविष्य में दिव्यांगता के क्षेत्र की आधुनिकतम सुविधा एवं संसाधन केंद्र पर उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला से संबधित उत्पादों के विक्रय के लिए दिव्य कला मेला, दिव्यांग विद्यार्थियों को यूडीआईडी कार्ड कैम्प के जरिए उपलब्ध कराए जाएंगे। आभार पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन संचालन डॉ. रजनीश अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आयोजन

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन

अद्भुत प्रतिभा एवं विशिष्ट क्षमता के धनी होते हैं दिव्यांग : कुलपति

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसइडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में शुक्रवार को दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम-संसाधन केंद्र का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम-संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है। यह ऐसे विश्वास, उम्मीद एवं समावेशन का माध्यम है जो सामाजिक न्याय एवं समावेशी समाज के निर्माण की आवश्यक बुनियाद भी है। मैं मानती हूं कि ये दिव्यांगजन सामान्य से अलग न होकर दिव्य अंग वाले व्यक्तित्व के रूप में हमारे मध्य समादृत हैं, जिनके पास दुनिया के कठिन से कठिनतम कार्य करने की क्षमता एवं हौसला होता है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के प्रो. हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ, प्रो. नीरा कपूर, इग्नू एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विवि मौजूद थे।

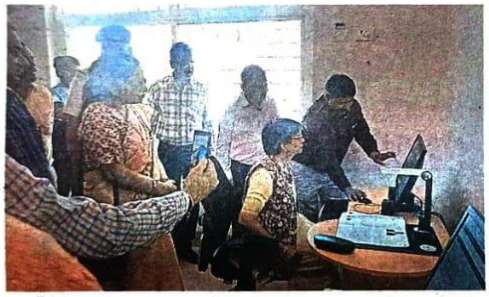

विश्वविद्यालय में दिव्यांगजनों के लिए अधिगम-संसाधन केंद्र का कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने उद्घाटन किया। ● नवदुनिया

विवि ने सबसे पहले किया एसइडीजी प्रकोष्ठ का गठन

एसइडीजी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने बताया कि यूजीसी के सुझावों के अनुरूप विवि ने सबसे पहले एसइडीजी प्रकोष्ठ का गठन किया। यह प्रकोष्ठ न सिर्फ दिव्यांगजनों अपितु अपर्वंचित वर्ग के सभी जैसे- अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला, थर्ड जेंडर इन सभी के शैक्षिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु कार्य करेगा और समावेशी समाज के निर्माण में अपना सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा। डा. नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता, हाइस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है। कार्यक्रम में धन्यवाद पुस्कालयाध्यक्ष टीए मोहन एवं संचालन डा. रजनीश अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थी कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एडी शर्मा, अकादमिक निदेशक प्रो. नवीन कानगो, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डा. एसपी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, प्रो. राजेंद्र यादव आदि मौजूद थे।

अद्भुत प्रतिभा के धनी होते हैं दिव्यांग : कुलपति

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के जवाहर लाल नेहरू केन्द्रीय पुस्तकालय और एसईडीजी सेल के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के सेंट्रल लाइब्रेरी में दिव्यांगजनों के लिए विशिष्टिकृत अधिगम संसाधन केंद्र का उद्घाटन नवनिर्मित रंगनाथन भवन में कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के प्रो.हरिशंकर सिंह, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर, लखनऊ, प्रो.नीरा कपूर इग्नू,नई दिल्ली एवं प्रो. इंदु गोयल इलाहबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता कर रही कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आज हम एक ऐसे कार्यक्रम के साक्षी हो रहे हैं जो न सिर्फ समाज के एक महत्वपूर्ण वर्ग के अधिगम संसाधनों की सम्पन्नता का द्योतक है।

दिव्यांगजनों हेतु विश्वविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं भविष्य की कार्य योजना पर प्रस्तुति देते हुए डॉ.नवीन सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में इस केंद्र में कंप्यूटर लैब, रीडिंग स्पेस, ब्रेल प्रिंटर, ब्रेल बुक सेक्शन, किबो डिवाइस, सुगम्य पुस्तकालय जिसमें दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु लगभग 10 लाख पुस्तकों की उपलब्धता हाईस्पीड इंटरनेट के साथ उपलब्ध है।

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, जनसंपर्क अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in